RNI : CHHBIL/2021/80395
ISSN : 2583-0775 (P)
2583-3189 (E)

Amoghvarta

IMPACT 2024 6.879 SJIF FACTOR

AMOGHVARTA

A Double - Blind, Peer-Reviewed & Referred, Quarterly, Multidisciplinary and Bilingual Research Journal

June to August 2024
Year- 04, Volume - 04, Issue - 01

13.	एकात्म मानववाद : एक अनुशीलन **प्रियदर्शी सौरभ,** छपरा, बिहार	73
14.	बिलासपुर में माध्यमिक स्तर पर सरकारी और निजी विद्यालय के विद्यार्थियों में शैक्षिक तनाव का तुलनात्मक अध्ययन **कल्पना कुमारी,** शोधार्थी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़	77
15.	पंचायती राज प्रणाली की सफलता में डिजिटल उपकरणों की भूमिका **डॉ. संजय कुमार तिवारी, सुषमा डहरिया,** शोधार्थी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़	84
16.	भारत के आधुनिक परिप्रेक्ष्य में महिला शिक्षा की चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ **डॉ. राम दास,** लखनऊ, उत्तरप्रदेश	88
17.	Attitude towards Social Change and Family Planning in terms of Community Affiliation and Inhabitation **Dr. Vivek Kumar,** Chapra, Bihar	91
18.	कामकाजी महिलाओं की समस्या और सुझाव **डॉ. मनीषा शुक्ला,** रायपुर, छत्तीसगढ़	95
19.	Temper Tantrum among Autistic Children **Swapnil Rumita Jana,** Research Scholar, Durg, Chhattisgarh **Dr. V. Sujata, Dr. Anirban Choudhury,** Bhilai, Durg, Chhattisgarh	98
20.	Marital Rape **Dr. Priya Rao,** Raipur, Chhattisgarh	102
21.	Hard Reality of Soft Power : Information Warfare **V. Vishal,** Research Scholar, **Dr. Girish Sharma,** Guide, Gwalior, Madhya Pradesh	108
22.	The Mediating Role of Organizational Culture in Transformational Leadership and Employee Engagement **Dr. Priyanka Bose,** Raipur, Chhattisgarh	112
23.	The Impact of Strategic Human Resource Management in Indian Air Force **Harshita Bhatnagar,** Research Scholar, **Dr. Girish Sharma,** Guide Gwalior, Madhya Pradesh	118
24.	A Critical Analysis on the future of E-commerce: Recent Prospects in an Indian Economy **Dr. Pooja Saxena,** Raipur, Chhattisgarh	121
25.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में परिणाम आधारित शिक्षा की भूमिका **परविंद कुमार वर्मा, डॉ. दिनेश सिंह,** प्रयागराज, उत्तरप्रदेश	128
26.	उच्च प्राथमिक विद्यालयों में समावेशी क्रियाकलापों का अध्ययन **अभय कुमार पाण्डेय,** सीतामढ़ी, बिहार, **अन्नपूर्णा जायसवाल,** बिलासपुर, छत्तीसगढ	135
27.	उच्च शिक्षा में परिणाम–आधारित शिक्षा (ओबीई) की भूमिका **डॉ. सुनील कुमार सेन, लालबहादुर,** शोधार्थी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़	141
28.	A Study on Investment Patterns of Individual Investors in India **Dr. Namrata Gain, Narendra Verma,** Research Scholar, Durg, Chhattisgarh	148

RNI : CHHBIL/2021/80395
ISSN: 2583-0775 (P), 2583-3189 (E)
AMOGHVARTA
June To August 2024
Year-04, Volume-04, Issue-01

उच्च शिक्षा में परिणाम–आधारित शिक्षा (ओबीई) की भूमिका

ORIGINAL ARTICLE

Authors
डॉ. सुनील कुमार सेन
प्राध्यापक
शिक्षा विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

लालबहादुर
शोधार्थी
शिक्षा विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

शोध सार

भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में परिणाम–आधारित शिक्षा (ओबीई) शहर में चर्चा का विषय बन गई है। कई कॉलेज इसे तेजी से लागू कर रहे हैं, क्योंकि इसे अमेरिका के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों से आगे रहने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जाता है। तो, भारत में शिक्षा क्षेत्र पर ओबीई का क्या प्रभाव है? यहां ओबीई के बारे में चार महत्वपूर्ण तथ्य हैं जिन्हें हर किसी को समझना चाहिए और यह भारत में उच्च शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण क्यों है। परिणाम–आधारित शिक्षा (ओबीई) की अवधारणा में शैक्षिक दृष्टिकोण और सीखने का दर्शन दोनों शामिल हैं। इसका लक्ष्य उन विशिष्ट 'परिणामों' पर केन्द्रित करके एक व्यापक शैक्षणिक कार्यक्रम तैयार करना है जो कार्यक्रम पूरा करने पर सभी छात्रों से अपेक्षित हैं। यह दृष्टिकोण छात्रों की उपलब्धि को प्राथमिकता देने और इन परिणामों के आधार पर उनकी प्रगति को मापने के इर्द–गिर्द घूमता है। इन परिणामों में आम तौर पर ज्ञान, कौशल, योग्यता, दृष्टिकोण और समझ सहित विभिन्न प्रकार के तत्व शामिल होते हैं, जिन्हें छात्रों से विभिन्न उच्च शिक्षा अनुभवों में उनकी सफल भागीदारी के माध्यम से हासिल करने की उम्मीद की जाती है।

मुख्य शब्द

शिक्षा, परिणाम, योग्यता, दृष्टिकोण.

प्रस्तावना

परिणाम–आधारित शिक्षा (ओबीई) एक शैक्षिक दृष्टिकोण है जो विशिष्ट शिक्षण परिणाम या वांछित परिणाम प्राप्त करने पर केंद्रित है। यह स्पष्ट उद्देश्यों को परिभाषित करने और इन पूर्व निर्धारित परिणामों को पूरा करने की उनकी क्षमता के आधार पर छात्रों की प्रगति का आंकलन करने के महत्व पर जोर देता है। ओबीई पारंपरिक फोकस को शिक्षण से सीखने की ओर स्थानांतरित करता है, क्योंकि यह यह सुनिश्चित करना चाहता है कि छात्र वास्तविक दुनिया के संदर्भों में सफल होने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दक्षता हासिल करें। स्पष्ट रूप से परिभाषित परिणामों के साथ पाठ्यक्रम, निर्देश और मूल्यांकन को संरेखित करके, ओबीई का उद्देश्य छात्रों की समझ और ज्ञान के अनुप्रयोग के साथ–साथ उनकी महत्वपूर्ण सोच और समस्या–समाधान क्षमताओं को बढ़ाना है। यह शैक्षणिक

को पाठ्यक्रम और निर्देशात्मक रणनीतियों को डिजाइन करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो वांछित परिणामों के साथ संरेखित होते हैं, जिससे छात्रों को अपनी सीखने की यात्रा में सक्रिय रूप से शामिल होने की अनुमति मिलती है।

सन्दर्भ सूची

1. शर्मा, एस. (2022) भारतीय उच्च शिक्षा में परिणाम आधारित शिक्षा का महत्व, *शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका*, 45(3), पृ. 78–92।
2. गुप्ता, आर. एवं सिंह, एम. (2021) परिणाम आधारित शिक्षाः उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुधार का एक साधन, *शिक्षा और समाज*, 18(2)2, पृ. 123–140।
3. मिश्रा, पी. के. (2023) उच्च शिक्षा में परिणाम आधारित शिक्षा का कार्यान्वयनः चुनौतियाँ और अवसर, *नवाचार शिक्षा*, 7(1), पृ. 55''–70।
4. पटेल, ए. एवं जोशी, एन. (2020) परिणाम आधारित शिक्षा और रोजगार क्षमताः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन, *कौशल विकास समीक्षा*, 12(4), पृ. 210–225।
5. वर्मा, डी. एवं कुमार, एस. (2022) उच्च शिक्षा में परिणाम आधारित शिक्षाः एक समीक्षात्मक दृष्टिकोण, *शैक्षिक प्रबंधन और नेतृत्व*, 30(2), पृ. 145–160।
6. ब्रिग्स, ए डेविड, (1988) ''अलहम्ब्रा हाईः एक 'उच्च सफलता' स्कूल, *शैक्षिक नेतृत्व*, 46(2) (अक्टूबर 1988): पृ. 10–11, ईजे 378 738।
7. ब्राउन, एलन एस (1988) ''परिणाम–आधारित शिक्षाः एक सफलता की कहानी, *शैक्षिक नेतृत्व*, 46 (2), अक्टूबर 1988, पृ. 12, ईजे 378 739।
8. मैकनेयर, ग्वेनिस (1993) परिणाम–आधारित शिक्षाः पुनर्गठन के लिए उपकरण, ओरेगन स्कूल स्टडी काउंसिल बुलेटिन, अप्रैल 1993, यूजीनः ओरेगन स्कूल स्टडी काउंसिल, पृ. 29।
9. रोथमैन, रॉबर्ट, (1993) ''हिसाब लेना'' *शिक्षा सप्ताह* 12(25), 17 मार्च, 1993, पृ. 72–75।

--==00==--